

प्रेषक,

मंजुल कुमार जोशी,  
अपर सचिव,  
उत्तराखण्ड शासन।

सेवा में,

निबन्धक,  
सहकारी समितियाँ,  
उत्तराखण्ड।

सहकारिता, गन्ना एवं चीनी अनुभाग:-1

देहरादून दिनांक 11 नवम्बर, 2010

विषय:- वर्ष 2010-11 में अटल आदर्श ग्राम योजनान्तर्गत नये मिनी बैंक/विस्तार पटल (सामान्य पक्ष में) स्थापित किये जाने हेतु वित्तीय स्वीकृति।

महोदय,

उपर्युक्त विषयक आपके पत्र संख्या:-3838-40 /अटल आदर्श योजना/2010-11 दिनांक 04 अक्टूबर, 2010-11, पूर्व पत्र संख्या:-47/नियो0/अटल आदर्श ग्राम/2010-11 दिनांक 05 अप्रैल, 2010, वित्त विभाग के शासनादेश संख्या:-187/XXVII (1)/2010 दिनांक 30 मार्च, 2010 तथा शासनादेश संख्या-1074/Xiv-1/10-5(5)/2010 दिनांक 18 जून, 2010 के सन्दर्भ में मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि चालू वित्तीय वर्ष 2010-11 के लिए अटल आदर्श ग्राम योजना हेतु वित्तीय स्वीकृति के अन्तर्गत मिनी बैंक/विस्तार पटल स्थापित किये जाने हेतु पूर्व में अवमुक्त धनराशि ₹ 1,28,00,000/- के अतिरिक्त ₹ 94,00,000/- (₹ चौराबे लाख मात्र) की धनराशि व्यय हेतु आपके निर्वर्तन पर रखने के लिये श्री राज्यपाल महोदय निम्नलिखित शर्तों के अधीन सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते हैं:-

(1) उक्त धनराशि का उपयोग निर्धारित कार्ययोजना तथा वित्त विभाग के उपरोक्त सन्दर्भित आदेश दिनांक 30 मार्च, 2010 में उल्लिखित शर्तों/विवरण तथा शासन द्वारा समय-समय पर निर्गत आदेशों के अनुसार ही किया जायेगा।

(2) स्वीकृत धनराशि के आहरण की सूचना से महालेखाकार (लेखा) कार्यालय, उत्तराखण्ड को शासनादेश की प्रति के साथ कोषागार का नाम व बाउचर संख्या लेखाशीर्षक तथा आहरण की तिथि सहित सूचित करने का उत्तरदायित्व निबन्धक, सहकारी समितियाँ, उत्तराखण्ड का होगा।

(3) इस शासनादेश में वित्त विभाग द्वारा निर्धारित विशिष्ट शर्तों का अनुपालन विभागों/ उपक्रमों में तैनात वित्त नियंत्रक/मुख्य लेखाधिकारी जैसी भी स्थिति हो, सुनिश्चित करेंगे।

(4) उक्त वित्तीय स्वीकृति इस शर्त के अधीन है कि उक्त धनराशि केवल इसी योजना के अन्तर्गत निर्धारित स्थलों पर मिनी बैंक/विस्तार पटल स्थापित किये जाने हेतु व्यय की जायेगी तथा किसी ऐसे मद पर धनराशि व्यय न की जाय, जो योजना में स्वीकृत नहीं है।

(5) स्वीकृत धनराशि का उपयोग निश्चित रूप से उन्हीं मदों पर किया जाए, जिसके लिये स्वीकृत की जा रही है। यदि उसका उपयोग अन्यत्र अथवा किसी अन्य मद में किया जाता है तो सम्बन्धित अधिकारी इसके लिये व्यक्तिगत रूप से जिम्मेदार होंगे तथा उनके अनुशासनिक कार्यवाही करते हुये अप्राधिकृत व्यय की वसूली की जायेगी।

(6) उक्त स्वीकृत धनराशि का योजनावार व्यय विवरण प्रत्येक माह या उसके अगले माह की 5 तारीख तक बी0एम0-13 पर नियमित रूप से वित्त विभाग/शासन तथा महालेखाकार कार्यालय को प्रेषित किया जाना सुनिश्चित किया जाये।

(7) उक्त व्यय शासन के वर्तमान सुसंगत आदेशों/निर्देशों के अनुसार किया जायेगा, तथा यह सुनिश्चित किया जाय कि उक्त धनराशि किसी ऐसे कार्य/मद पर व्यय न की जाय, जिसके लिए वित्तीय हस्तपुस्तिका तथा बजट मैनुअल के अन्तर्गत शासन/समक्ष अधिकारी की पूर्व स्वीकृति अपेक्षित है। वित्तीय हस्तपुस्तिका में उल्लिखित सुसंगत नियमों का अनुपालन किया जाय।

(8) उक्त योजना का निर्धारित वार्षिक लक्ष्य के अनुसार व्यय सुनिश्चित कर उपयोगिता प्रमाण-पत्र शासन को उपलब्ध कराया जाय तथा अवशेष धनराशि वर्षान्त में शासन को समर्पित की जाय।

2. उक्त व्यय चालू वित्तीय वर्ष 2010-11 के अनुदान संख्या:-18 के अन्तर्गत लेखाशीर्षक-2425-सहकारिता-आयोजनागत-00-800-अन्य व्यय 26- अटल आदर्श ग्राम योजना हेतु वित्तीय सहायता -00- 20- सहायक अनुदान/ अंशदान/ राज सहायता के नामे डाला जायेगा।

ये आदेश वित्त विभाग के अशा0पत्र संख्या:- 294(P)/XXVII-4/ दिनांक 04 नवम्बर, 2010 द्वारा प्रदत्त उनकी सहमति से जारी किये जा रहे हैं।

भवदीय,

(मंजुल कुमार जोशी)  
अपर सचिव।

संख्या:- 1749(1)/XIV-1/2010, तददिनांक

प्रतिलिपि:- निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित :-

1. महालेखाकार, लेखा एवं हकदारी ओबराय बिल्डिंग, माजरा, उत्तराखण्ड, देहरादून।
2. आयुक्त, कुमायूँ मण्डल/गढ़वाल मण्डल, उत्तराखण्ड।
3. वित्त अनुभाग-4/नियोजन विभाग, उत्तराखण्ड शासन।
4. समस्त जिलाधिकारी, उत्तराखण्ड।
5. वरिष्ठ कोषाधिकारी, अल्मोडा।
6. समस्त जिला सहायक निबन्धक, सहकारी समितियां, उत्तराखण्ड।
7. निदेशक, एन0आई0सी0, सचिवालय परिसर, उत्तराखण्ड।
8. बजट राजकोषीय नियोजन एवं संसाधन निदेशालय, सचिवालय, देहरादून।
9. प्रभारी, मीडिया सेन्टर, सचिवालय परिसर, देहरादून।
10. गार्ड फाईल।

आज्ञा से,  
(वीरेन्द्र पाल सिंह)  
उपसचिव।